96 mayra 2.

P. O. Box 85 activa ougot

अंकित में कि कि में में के के के के कि के में के अवस्त के में के अवस्त के कि का काती भीती के अंद्रे आप दी मां बसलीमां कत पिक भातें मदीय भीतार के गत है। वे में अने डब माथ बते दिन कर भगीर में गई कर बेरी अमीनाभ तारी एक डे. यह तारी वी वारत डे. का उसर वर मध रेंद्र मारी ! विकार बार करा केडी जी नक प वेन देश की मेर्न दिन वहीन केरियी र अंड के ने मंत ने में कियी नेती ने मांथी 3 व्याह अप अने पत भने हे ट्यासड वसेने, जेन कान अर्थन ने मारे जर की सहस्र देन कमा अपन नेत्र भा मी. वी बह दिलेशा 5 अने उन केरी पड़ा हती पता के 26 जर है अप की मेल किया 1250 मिल क्लान के ही प्रकार कर की ल्य वेत कृत के पता केती प्रमाह बराधम बात रेत नराम भारत के केत जेंत्र का बीत जनाउदिमां के नेतीका किया जी के भी महिला के महिला केत्र

उ अथ की खेंबार मेक पर प्रांत है जामण मन तररे नेते भेडी रहें मंडर है दिली परेम परंशत बरहा येकार्न (पड़ जी वी काय मेर्ड आयही यहिड्ड उसरीव वड्डर वे रेज मनरे है ? क्री बार्व पता ने भागित मन जी जा उमरीन वहारा सबरे रे में लेना के वं पदी कातव रेवे भी भी दिल दिन भाषा दे जातां की चारी अंत की कि है

किर्देश मार्थ केंडी की मीं बारी मार्थ है मान्य है केंडेंग्ले माय हा युडि हमा

Document # 9

Ik Ongkar Satgur Parsad

P.O. Box 85, Astoria, Oregon, U.S.A. Aug.2, 20.

Submitted to Bhai Boota Singh Ji:

Dear Father, my greetings to you. I am hale and hearty in all respects, and I always pray to Guru Gobind Singh Ji for your well-being. I have not received any letter from you during the last 3-4 months. I do not know why. I hope all is well with you! Kindly send your replies promptly. I wait for your letter daily, and get worried if it is delayed. Hopefully in future you will be kind enough (to reply immediately).

Four months have elapsed since I sent some cloth for Bibi Lachhman Kaur .As yet, I do not know if you received it. Further, on June 26, I sent to you a check of Rupees 1250 (one thousand two hundred fifty). On receipt, please inform immediately. And I shall send more on hearing from you.

I hope brothers, Jagat Singh and Rulia Singh, and Bibi Lachhman Kaur are in good health, and trust that they are attending to you with much affection and enthusiasm. Please extend my hearty love to them.

My dear Dad, Can you get yourself photographed and send me your sacred photo? Please wear nice clothes and go to Amritsar to get yourself photographed. It will be very kind of you if you do so. I am always very anxious to see you. Please reply soon. I request. Greetings to all. Your son.

Bhagat Singh